

२९०८-७७

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—



ग्रंथ क्रमांक

ग्रंथ नाम

१९(८४)

जा. चरिता

विषय चरिता.

५०.३

मराठी

निरंजन क-सडकर (जन्म १९५९, मृत्यु १९८५)

आंगी गुहापत्रक



८५-८८-

॥ शरण आले सा सीन धावी द्रीपा दी ॥ ऐ का जग जो है
 ॥ दी वी झापना ॥ ३ ॥ भाष्ठ वीत या सी उत्तर सु उकरी
 ॥ ऐ का वी श्री हरी वी झापना ॥ ४ ॥ भागली या जना होई
 ॥ गावी सावी ॥ ऐ का वी के गुना वी झापना ॥ ५ ॥ गा
 ॥ जली या चेक रवे धावणे ॥ ऐ का ना रायणा वी झाप
 ॥ ना ॥ ६ ॥ ऐ का ना ची भार वाग वी सी प्राप्ता ॥ ची ल
 ॥ धा आन ता वी झापना ॥ पार का प्रणे भास्त्रा वी म
 ॥ रन धावा परी सावी देवा वी झापना ॥ धा

॥ का सीया सी आस वानी ते संसारी ॥ चील पायावरी
 ॥ ना ही तुर्स्या ॥ ७ ॥ का सम वां मज घात तु संसारी
 ॥ नां हीं तुर्स्या व्रेसान तुनवा ॥ ८ ॥ ना भाविण
 ॥ माझी बाबा अस गवा ॥ एस तो बांडव
 ॥ निसी यिटा ॥ ९ ॥ तुकां हुजे माझी जवा
 ॥ जळो काया ॥ वीठ रश सरवया तु जवीण
 ॥ १० ॥ ॥ १२ ॥ ॥

॥ आतान का चुक आपरन्थ उचिता ॥
 ॥ उदाश तुकां ता रुक्षीणी च्या ॥ ११ ॥ आ

(२)

॥ हीतो आपुलं कलं सजतन् ॥ पड़ात्
 ॥ हां कक्षुन घडेत्वा ॥ २ ॥ आचरवेदो य
 ॥ हे आष्ट्राखिकित ॥ तारवे पतित तुमन्
 ॥ त ॥ ३ ॥ तूका ज्ञेण वीठो च तूरा च्याराय
 ॥ आहेत कासयावुडे सी ॥ ४ ॥

१२१

॥ रत्नजित रति द्वासन ॥ वरी वैसले
 ॥ आपण ॥ १ ॥ न चढ न ती द्वाही बाही ॥
 ॥ जवकराही रुमा इ ॥ २ ॥ द्वाती घवो
 ॥ नीपादुका ॥ उभावदी जन्तुका ॥ ३ ॥

॥ ५ ॥

॥ त्रुमासीभाउलीमीदुस्ता ॥ पाजी ग्रेम पा
 ॥ न्डा पांडुरंगे ॥ १ ॥ व्रुमासीगाउलीमीदुस्ते
 ॥ वांसरा ॥ नकोपाठा चौर पांडुरंगे ॥ २ ॥
 ॥ त्रुमासीठारणीमीदुस्ते पाउसा ॥ तोउमी
 ॥ वपोश पांडुरंगा ॥ ३ ॥ त्रुमासीपङ्कीणीमी

The Rajawade Banshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai
 Digitized by srujanika@gmail.com

(3)

॥१३॥

"गुर्जे आंडजं ॥ धारा धाली मज पांडुरंग ॥
 ॥ कासवा ची दृक् जैसी वाका वरी ॥ को सी
 ॥ हु पाकरी पांडुरंगे ॥ ५ ॥ नामाघणे हेवा
 ॥ भक्ताच्यावल्लभा ॥ मागे पुढु भासंभा
 ॥ कीट ॥ ६ ॥

॥६॥

"वीजाच्यावोनारायथा ॥ कृष्ण अभजीवना ॥ वीनकीली रखु
 ॥ माईदा सीहोई नमीका ना ॥ शा-शा नीहै ग्रागवेली ॥ पाने घेवा
 ॥ नीयाकरि ॥ मीपजडा नीया ॥ डाळा की पलावरी ॥ ग्रावा
 ॥ सनंफाऊनीया ॥ चुण ॥ नीसुपा प्रभावधकि रखने ग
 ॥ बोछीयली नीर्धीनी ॥ ॥ वीवहो काथंग ॥ मेछवीलासु
 ॥ रंग ॥ वेराम्यजायकल्ला ॥ आणी नीसवर्गा द्याहेजायपभी
 ॥ क्षमालंका आणील्या ॥ सीलच्छवेलदौडे ॥ सीवरा मीमेठ
 ॥ वीले ॥ धा विजयावोनारायण ॥ ॥ ५ ॥ ५

॥७॥

"सदा मास्तेऊळेऊ जेनुस्तेमुली ॥ रखु माईच्यापति मोयरी
 ॥ या गश्चा गोडनुस्तेनासगोडनुझेफूप ॥ हेसेदेईभेमसवकि
 ॥ छा ॥ ३ ॥ मातुलवीटा ईहा चीवरदैई ॥ यवो नीयारही दूदू
 ॥ यामाझी ॥ ३ ॥ तुका मणे काही नमागे आणीक ॥ नुस्तेपाई
 ॥ सुखसर्व आहे ॥ ४ ॥

(५)

॥४॥

॥८॥

।। ऐसे करने या दीवसि को शिव ने बोटी ।। आज टेवो नीया कटी
 अबोट्पां ॥३॥ जीटा सिल क पिंडी वा न्याजी वल गा ॥ आगां
 ॥ उरुंगा नो यवा पा ॥४॥ चीतनी रुख रुज़े माहाधारि ॥ अरब ड
 अप उम्हुद दृंवसे ॥५॥ श्रीमुख साझी रुकुंड ले गां मठी ॥ ले
 ॥ थे माझी दृष्टी स्छीरा वलि ॥६॥ कठा वरि कठ सम चरण स
 ॥ जीरे ॥ देखा वया झुरे मन माझे ॥७॥ आ सुवें लोच नी उभारे
 ॥ नी बहे ॥ नामा बोट्पा हेरा बद्धी वस गधा

॥७॥

॥१॥ आवउ हेरु पगो जीर स गुण ॥ पाहातो को घन सुख वावले ॥१॥
 ॥ आना दृश्य गप दै ऐसा भारडे ॥ जी मीलु जपा है पांडुरगा ॥२॥
 ॥ सन्दीक सलाचा वले न तलौ मे ॥ से गो जी ॥ तेझी घैन सो
 ॥ उपि ऐसे जाहाने ॥३॥ तन न गुण जाझी मागुल डी वाल ॥
 ॥ पुरुख वि जाध्य माय वा पा ॥४॥

॥१९०॥

॥ हु यी वे छेदे वान को मागे वे तुल द्वावी न जातु चरण को ढा
 ॥५॥ नारायण ये रेपा है विचारनि गतु जविन को ण आहे
 ॥ मडे ॥६॥ रात्र द्विवस आदुनि आहे तुल ॥ पाहातो सी
 ॥ काय सतु माझे ॥७॥ तुकाम्हणे की तीये उका कुछ तोये कांही
 ॥ माया चितीये उंधावी ॥८॥ ज म स श्री गण राघन
 ॥ श्री गण इंग धनमः ॥ श्री संबाय न मैती

१६१॥

“ यवदासंको वीत तरी का आमा लासी।
“ आहुरि को णाप सीतोडवासुगां को।
“ पुस्तेधलासोणे भाजलगांजरीगो।
“ कलीले उली देवागरा को णाघीगी।
“ वारपाठु का णीकहगा को णमितवो।
“ पांउरंगगोडा को णमासोडांगोडी।
“ चरनाके गुरगवोळा लेसक छी।
“ दुकाहाना उली लिहासी।
“ लीका ३३।
“ उज्ज्वलणदार कुपेचासारगतरी का।
“ केलाधीर पांउरंगगोडा आसुनी का।
“ नयेमारी दुजाद्या। कायेहवराया।
“ पाडामासी गांधी आळवोतोडे सेपाडम।
“ करंगपीची गपाजी भले वनी ताटनभुके।
“ ग्रंथरस राष्ट्रासाजी मुख्याई।” ३।



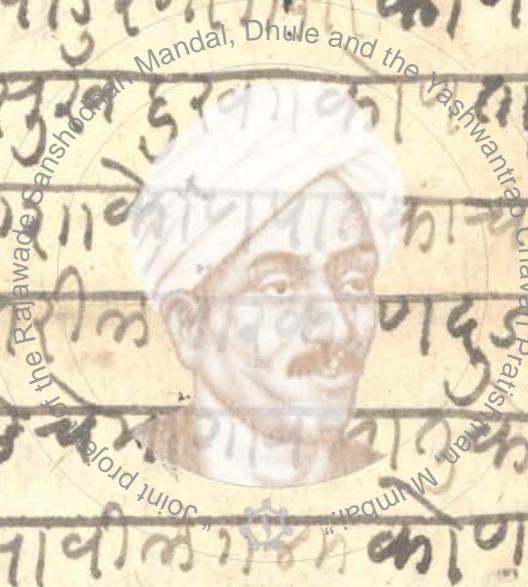
“ Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Vashwantrao Chavhan Rathshthran, Mumbai.”

॥ १६३ ॥

॥ धावविवही वो सरोनी ॥ ४५ ॥ तुकाल
 ॥ कोणमासे ठरीलदुःख ॥ तुजवीणथक
 ॥ पांडुरंगा गाया ॥ ४६ ॥ तुकाल
 ॥ १६४ ॥

॥ कोणपुस्तेचलासी पञ्जेमाल ॥ डलीमो
 ॥ काळील पांडुरंगा ॥ ४७ ॥ कोणापासीचल
 ॥ सांगावे सुखे दुर्व ॥ ४८ ॥ कोणाठनभुका
 ॥ वारील ॥ ४९ ॥ तुकाल
 ॥ ठार ॥ ५० ॥ तुकाल
 ॥ नापेही छन्न ॥ ५१ ॥ तुकाल कोणोरको
 ॥ तुकाल बुसावील ॥ ५२ ॥ कोणावरीआमी
 ॥ करावीहुसता ॥ ५३ ॥ दील साठाताकोण
 ॥ तुजा ॥ ५४ ॥ तुकाल पोट्यामाआगा
 ॥ सवज्जाणा ॥ ५५ ॥ देहवत चरणातुमच्चा
 ॥ देवांगद ॥ ५६ ॥

२९-३१



"Joint Project of the Rajawade Sanskruti Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratiśikshan Mandal"

ग उदोनीभाः न काली जाशता कृचील न नियेव लोक
ग रुद्धिसातुर्ला सि॥३॥ आहु दिदाता तवीन तीजा वध
ग रथा तुर्जी जाली यावे परा ओळमा सी॥४॥ आंटर
ग सुमावा इन्द्रीयावेबेष्मे गहना मोग्री सो गमेवाळ
मवा वी॥५॥ ग सडोलकालीन हैमा द्वेकरणे॥६॥ उद्कम
॥७॥ रिनसुगंधे सि॥८॥ शशप्राव मुकाडी उत्थवलि
॥९॥ हुचिवेळो वेळी नीयकामगधा॥१०॥ माघेदेवातु
॥११॥ मंसेनुभी जेवा॥१२॥ नसाहो ठेवा द्वेवका सि॥१३॥

१३४१

ग आवाहु गता वा
ग स्वामी माशा गशा
ग लौ॥ आगु छिसुनि
ग मुण्डजया याके वलापान कृष्ण॥१४॥ यि मत्तुव
॥१५॥ दिवरण द्वाचि॥१६॥ सभ्याजे राण आवा हु जो पु
॥१७॥ ना॥ विसारवेचरप्पेस्वामी माशा॥१८॥

पवत अपाता श्रीजमं।

१३४२

बोललिले कुरेयडी वाक उत्तर ६४ क्षमा
करा अपराध महरज तुमी सी अ-धिवि
वारी कीसुरे मारमरामरमृ

The Raawage Sanshodhan Mandir, Dhule and the Yashwantrao Gavau Pratishthan, Maval

११ ग्रंथलब्धस्त्राविश्वास्त्राक्तिर्भवपराहारः ॥ प्रभासठ
१२ कोगेऽपादोभगवान्त्वामिरांकरः ॥ ११ ॥ नमाम्याचा
१३ धरपरंपरागतंश्रीरांकराचार्युनित्र्याध्यं ॥ तदि
१४ शिष्यकंभारकरमोगिवर्धनेततोऽलमानंदमुनित्रतो
१५ स्मित् ॥ सहजसिधंवंदेहुङ्लक्षानेदारम्बमोगिनां
१६ परमानंदमाचार्यक्तमेणश्रणम्यहं ॥ तदिष्यकं
१७ परमोदारंकरुणावहणाऽङ्गं ॥ काश्चिराजगुरुंवदे
१८ भवपात्राविमोचनं ॥ चेत्कृत्यंशाधतंशांतंमोमा
१९ तीतनिर्जनं ॥ विदुनाटकलातीतंनस्मेश्रीगुर
२० वेनमः ॥ श्रीगुरकाविनांथस्यामिः
२१ पंचमदधिष्ठिष्ठवात्मामंस्त्रितिस्तर्हु
२२ एवं लग्नं अप्तं ॥ इति स वा रित्य
२३ तो दते ॥

Joint P
विटावईमान्नेपटु

મનુષી

卷之二

三

四六

.५१.

(१)

१५१

श्रीगणेशायनमः पुस्तिले कं गतं रा जाने

श्रावाम

अ

दर्शनप्र

कृष्णप्र

यापात्मक

यादि

सताय

ज्ञानवद्

ज्ञानद्वय



१५२



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com